Human Trafficking.qxd 23/03/13 1:32 AM Page 2

गुजराती लड़कियां बिक रही हरियाणा में

बनासकांठा, साबरकांठा, मेहसाणा, सूरत और पंचमहल से हो रही है महिलाओं की खरीद-फरोख्त

मनीषा भल्ला

मेवात के एक गांव में रह रही तीस वर्षीय शकीला मकसूद (बदला हुआ नाम) मूलत:गुजरात की निवासी थी। वह थकी और बीमार है। पूछे जाने पर धीमे से बताती है कि वह गुजरात के बलसाना की रहने वाली थी। बचपन में उनके वालिद-वालिदा की मौत हो गई थी। बुआ ने पाला और जवान होने पर मेवात के एक ट्रक ड्राइवर रहीम को 40,000 रुपये में बेच दिया। हरियाणा में शादी के लिए औरतों की खरीद हैरान नहीं करती है लेकिन यह बात चौंकाती है कि अब हरियाणा विकास के कथित मॉडल गुजरात की औरतों के लिए भी मंडी बन रहा है। औरतों की खरीद-फरोख्त के मसले पर काम कर रही स्वयंसेवी संस्था एम्पावर पीपल की गौसिया खान बताती हैं, 'हरियाणा में अब तक शादी के लिए आंध्र प्रदेश, असम, बिहार और झारखंड से औरतें खरीदी जा रही थीं लेकिन पिछले तीन-चार साल में हमने एक नया रुझान देखा है कि अब शादी के लिए गुजरात और महाराष्ट्र जैसे विकसित राज्यों से लड़कियां खरीदी जा रही हैं।' संस्था के अध्यक्ष शफीक उर रहमान खान के अनुसार इस समय सबसे ज्यादा महंगा दाम गुजरात की लड़कियों का है। 35 से 40 हजार रुपये। दूसरे राज्यों की लड़कियां 6 से 15 हजार रुपये में मिल जाती हैं।

हरियाणा में लगातार गिर रहे लिंग अनुपात के कई गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। इनमें एक अहम नतीजा यह है कि राज्य में शादी के लिए लड़कियां नहीं मिलने की वजह से वे दूसरे राज्यों से खरीदी जा रही हैं। इस मार से सबसे ज्यादा त्रस्त प्रदेश का ग्रामीण समाज है। वजह है कि शहरी लोग पढ़ लिख कर बाहर भी चले जाते हैं। उनके पास पैसा और नौकरियां होती हैं जिन वजहों से जैसे-तैसे उनकी शादियां हो ही रही हैं लेकिन ग्रामीण इलाकों में कम जमीनों की मिल्कियत वाले लड़कों को लड़कियों का टोटा है। औरतों की दलाली के लिए बाकायदा दलालों का संगठित और बड़ा नेटवर्क है, जो हरियाणा के ग्रामीण इलाकों से लेकर पूर्वी राज्यों, गुजरात और महाराष्ट्र तक पहुंच रखता है।

सूरत से खरीदी गई जींद के सफीदों ब्लाक के एक गांव में रह रही 21 वर्षीय जरीना (बदला हुआ नाम) अनपढ़ है। कहती है 'शहर अमीर नहीं होता, इंसान होता है, इंसान गरीब भी होता है और गरीब की बेटी बिकना नई बात नहीं है।' वह बताती है 'मैं शादी करके आई तो पता लगा कि मेरा पति रजा नहीं राजकुमार है। फिर सोचा अब जीना तो इसके ही साथ है, एक दिन अचानक उसने मुझे किसी और के साथ भेज दिया। उस आदमी ने बताया की मुझे 66 हजार रुपये में बेच दिया है।' उसने मुझे हर तरह की तकलीफें दीं। अपने भाइयों के साथ भी सोने को कहता था। कई-कई दिन तक चारपाई पर बांध कर रखता। जबरन दारू पिलाता। उसकी बूढ़ी मां मुझे समझाती कि मैं उसकी हर बात मान लिया करूं तो कम से कम मार तो नहीं खाऊंगी। एक दिन भागने की कोशिश की। गांव के लड़कों ने देख लिया। उन्होंने बारी-बारी मुझसे खेतों में मुंह काला किया और फिर पकड़ कर घर ले आए। मेरी बुरी तरह पिटाई हुई। फिर उसने दो दिन बाद मुझे दस हजार रुपये में मुमताज को बेच दिया। तीन वर्षों से अब जरीना यहीं रह रही है। पहली लड़की शकीला बताती है कि उसका फूफा, फूफी की सहमती से उसके साथ बलात्कार करता था। दो-तीन सालों से यह सिलसिला जारी था। जब वह फूफा से गर्भवती हो गई तो गांव में बदनामी के डर से फूफा-फूफी ने इसे मेवात के ट्रक ड्राइवर को बेच दिया। तुम इतनी दूर शादी के लिए क्यों मान गई तो वह कहती है, 'संयोग ही यहां था।' कैसा लगता है? तो जवाब में कहने लगी, 'खाने को रोटी मिल जाती है।'

गुजराती लड़कियां न केवल हरियाणा में बेची जा रही हैं बल्कि गुजरात के जिलों में भी शादी के लिए उनकी खरीद-फरोख्त हो रही है।

मीनाक्षी शुक्ला

वर्ष 2011-12 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार देश के पांच जिलों में जहां लड़कियां (0-6 वर्ष) सबसे कम थीं उनमें चार जिले हरियाणा के थे। झज्जर (773), महेंद्रगढ़ (777), रेवाड़ी (784) और सोनीपत (790) में लिंग अनुपात सबसे कम था। असंतुलित सेक्स अनुपात का परिणाम है कि हरियाणा औरतों की मंडी बनता जा रहा है। इसपर शिकंजा कसना तो दूर की बात है, विकास का दंभ भरने वाले गुजरात जैसे राज्य भी शादी के लिए हरियाणा में लड़कियां बेचने लगे हैं। हरियाणा के गांव-गांव में मजबूत नेटवर्क रखने वाले शफीक उर रहमान खान का कहना है कि उनके पास गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, मेहसाणा, सूरत, पंचमहल से केस हैं। गुजरात की लड़कियां सबसे मंहगे दामों में क्यों बिक रही हैं, इसपर खान बताते हैं कि असम, बिहार और आंध्र प्रदेश की लड़कियों की बजाय गुजराती लड़कियां हरियाणा के सौंदर्य मानकों के ज्यादा करीब हैं। साथ ही हिंदी भाषा समझती हैं।

रोहतक स्थित संस्था हरियाणा राज्य संसाधन केंद्र (आजीवन) के निदेशक प्रमोद गौरी कहते हैं कि यह चिंता की बात है। इसकी बड़ी वजह यही है कि गुजरात की लड़कियां हिंदी बोल लेती हैं इसलिए उनकी मांग बढ़ी है। असम और आंध्र प्रदेश की लड़कियों के साथ हिंदी न समझ पाने को लेकर बहुत दिक्कतें आती हैं। गौरी का कहना है कि इन औरतों को घर का काम करने या बच्चे पैदा करने के लिए लाया जाता है। लेकिन हिंदी न समझ पाने के कारण इनके साथ रहना मुश्किल हो रहा है। कई औरतों को तो इसी वजह से भगा भी दिया गया। भाषा की दिक्कतों की वजह से इनसे काम करवाना भी मुश्किल होता है। इसलिए औरतों की खरीद का गुजरात नया अड्डा तलाशा गया है। शफीक उर रहमान खान के अनुसार जागरूकता अभियानों के कारण असम में मानव तस्करों के खिलाफ माहौल भी बना है पिछले वर्ष रांची में चार तस्करों की हत्या कर दी गई। इसलिए अब वहां से लड़कियों की खरीद में दलालों को दिक्कतें आ रही थीं। दूसरा महाराष्ट्र और गुजरात बेशक विकसित राज्य हैं लेकिन हाईटेक होने या सड़कें बढ़िया बनने का मतलब यह नहीं कि वहां गरीबी नहीं है।

मेवात के ही एक अन्य गांव में रह रही शाहीन (बदला हुआ नाम) चार-पांच वर्ष पहले सूरत से खरीदी गई थी। उसे जिसने मंगवाया था, उसका मन शाहीन से जल्दी ऊब गया और उसने उसे आगे अकबर नामक आदमी को 40,000 रुपये में बेच दिया। शाहीन सूरत की एक मलिन बस्ती में रहती है। बताती है कि उसके माता-पिता बेहद गरीब हैं। राजस्थान का एक लड़का बिना दहेज के शादी को राजी हुआ तो माता पिता ने शादी में देर नहीं की।

ट्रैफिकिंग पर ग्रामीणों को जागरूक करते शफीक उर रहमान खान और आपबीती बयां करती महिलाएं

हरियाणा में हालात पहले से खराब हो चुके हैं। औरतें जानवरों की तरह खरीदी और बेची जा रही हैं। बेमेल शादियां हो रही हैं। बूढ़ों संग बच्चियां ब्याही जा रही हैं।

गौसिया खान

शादी के कुछ रोज बाद पता लगा कि वह औरतों की खरीद-फरोख्त का काम करता है। इसी ने शाहीन को अकबर के हाथों बेचा। शाहीन अकबर की दूसरी बीवी है। वह उसके दो बच्चों और बूढ़े मां बाप को संभालती है।

इस बारे में गुजरात में महिला मुद्दों पर काम कर रही संस्था चेतना की उपनिदेशक मीनाक्षी शुक्ला बताती हैं कि गुजरात के अंदर भी एक जिले से दूसरे जिले में औरतों की तस्करी होती है। मेहसाणा का बाल लिंग अनुपात बुरी तरह से गिरा है। यहां लड़कियां इतनी कम हैं कि शादी के लिए लड़के बनासकांठा,साबरकांठा,पंचमहल और सूरत के आसपास के जिलों से लड़कियां खरीद कर ला रहे हैं। सूरत के आसपास बहुत गरीब आदिवासी इलाके हैं। शुक्ला का कहना है कि जिन दलालों के तार हरियाणा से जुड़े हैं हो सकता है कि उनकी जानकारी में आया हो कि इन इलाकों से गुजरात के मेहसाणा में शादी के लिए लड़कियां बेची जा रही हैं तो उन्होंने ज्यादा पैसे में इन्हें हरियाणा के लिए खरीदना शुरू कर दिया हो। ●